|  |  |
| --- | --- |
| D | അ |
| E | ആ |
| Fd | ഈ |
| F | ഇ |
| Gd | ഊ |
| G | ഉ |
| ï | ഋ |
| sS | ഐ |
| S | എ |
| A | ഏ |
| Ze | ഓ |
| Zd | ഔ |
| Z | ഒ |
| kf | കി |
| kr | കീ |
| kg | കു |
| kt | കൂ |
| kõX | ക്യം |
| kôg | ക്യു |
| kôt | ക്യൂ |
| kô | കൃ |
| kX | കം |
| kx | ക് |
| ùk | ക്ര |
| ssk | കൈ |
| ske | കൊ |
| ake | കോ |
| skd | കൌ |
| sk | കെ |
| ak | കേ |
| Tf | ക്കി |
| Tr | ക്കീ |
| Tg | ക്കു |
| Tt | ക്കു |
| Tôg | ക്ക്യു |
| Tôt | ക്ക്യൂ |
| Tô | ക്ക്യ |
| TX | ക്കം |
| Tx | ക്ക് |
| ùT | ക്ക്ര |
| aTe | ക്കോ |
| sT | ക്കെ |
| T | ക്ക |
| R | ങ്ക |
| ìt | ക്ഷു |
| ì¤ | ക്ഷ്മ |
| k¢ | ക്സ |
| © | ക്ത |
| k¤ | ക്മ |
| kØ | ക്ട |
| kâ | ക്ല |
| kV | ക്വ |
| ìõ | ക്ഷ്യ |
| ì | ക്ഷ |
| ke | കാ |
| k | ക |
| Kf | ഖി |
| Kr | ഖീ |
| Kg | ഖു |
| Kt | ഖൂ |
| Kôg | ഖ്യു |
| Kôt | ഖ്യൂ |
| Kõe | ഖ്യാ |
| Kô | ഖ്യ |
| KX | ഖം |
| Kx | ഖ് |
| *KõX* | ഖ്യം |
| ùK | ഖ്ര |
| KV | ഖ്വ |
| ssK | ഖൈ |
| sKe | ഖൊ |
| aKe | ഖോ |
| sKd | ഖൌ |
| sK | ഖെ |
| aK | ഖേ |
| Ke | ഖാ |
| K | ഖ |
| if | ഗി |
| ir | ഗീ |
| ig | ഗു |
| it | ഗൂ |
| iôg | ഗ്രൂ |
| iôt | ഗ്രൂ |
| iô | ഗൃ |
| iX | ഗം |
| ix | ഗ് |
| i®x | ഗ്ഗ് |
| ùi | ഗ്ര |
| Ë | ഗ്ഛ |
| i® | ഗ്ഗ |
| iâ | ഗ്ല |
| Ê | ഗ്മ |
| Ò | ഗ്ന |
| iV | ഗ്വ |
| ssi | ഗൈ |
| sie | ഗൊ |
| aie | ഗോ |
| sid | ഗൌ |
| si | ഗെ |
| ai | ഗേ |
| ie | ഗാ |
| i | ഗ |
| If | ഘി |
| Ir | ഘീ |
| Ig | ഘു |
| It | ഘൂ |
| Iôg | ഘ്യു |
| Iôt | ഘ്യൂ |
| Iô | ഘ്യ |
| IX | ഘം |
| Ix | ഘ് |
| ùI | ഘ്ര |
| I¡ | ഘ്ന |
| ssI | ഘൈ |
| sIe | ഘോ |
| aIe | ഘോ |
| sId | ഘൌ |
| sI | ഘെ |
| aI | ഘേ |
| Ie | ഘാ |
| I | ഘ |
| Uf | ങ്ങീ |
| Ur | ങ്ങീ |
| Ug | ങ്ങു |
| Ut | ങ്ങു |
| Uôg | ങ്ങ്യു |
| Uôt | ങ്ങ്യു |
| Uô | ങ്ങ്യ |
| UX | ങ്ങം |
| Ux | ങ്ങ് |
| ~ | ങ്ങ |
| sUe | ങ്ങോ |
| aUe | ങ്ങോ |
| sU | ങേ |
| aU | ങേ |
| Ue | ങാ |
| U | ങ |
| òf | ചി |
| òr | ചീ |
| òg | ചു |
| òt | ചൂ |
| òôg | ച്യു |
| òôt | ച്യൂ |
| òô | ച്യ |
| òX | ചം |
| òx | ച് |
| ùò | ച്ര |
| ß | ച്ഛ |
| aòªe | ച്ചോ |
| òªg | ച്ചു |
| òªªt | ച്ചു |
| òªf | ച്ചി |
| òªe | ച്ചാ |
| òª | ച്ച |
| ssò | ചൈ |
| sòe | ചൊ |
| aòe | ചോ |
| sòd | ചൌ |
| sò | ചെ |
| aò | ചേ |
| òe | ചാ |
| ò | ച |
| ñf | ഛീ |
| ñr | ഛീ |
| sñ | ച്ഛെ |
| añ | ച്ഛേ |
| ñe | ച്ഛാ |
| ñ | ച്ഛ |
| pf | ജി |
| pr | ജീ |
| pg | ജു |
| pt | ജൂ |
| pX | ജം |
| px | ജ് |
| põN | ജ്യ |
| ùp | ജ്ര |
| á | ഞ്ച |
| Ã | ജ്ജ |
| È | ജ്ഞ |
| ág | ഞ്ചു |
| ssp | ജൈ |
| spe | ജൊ |
| ape | ജോ |
| spd | ജൌ |
| sp | ജെ |
| ap | ജേ |
| pe | ജാ |
| p | ജ |
| Âf | ഞി |
| Âr | ഞി |
| Âg | ഞു |
| Ât | ഞു |
| ÂX | ഞം |
| Âx | ഞ് |
| å | ഞ്ഞ |
| åt | ഞ്ഞു |
| åt | ഞ്ഞു |
| ssÂ | ഞൈ |
| sÂe | ഞോ |
| aÂe | ഞോ |
| sÂ | ഞെ |
| aÂ | ഞെ |
| Âe | ഞാ |
| Â | ഞ |
| ëf | ടി |
| ër | ടി |
| ëg | ടു |
| ët | ടു |
| ëX | ടം |
| ëx | ട് |
| ùër | ട്രീ |
| ùë | ട്ര |
| ö | ട്ട |
| öt | ട്ടു |
| öt | ട്ടു |
| ssë | ടൈ |
| sëe | ടോ |
| aëe | ടോ |
| sëd | ടൌ |
| së | ടെ |
| aë | ടെ |
| ëe | ടാ |
| ë | ട |
| æf | ടി |
| æ | ഠ |
| øf | ഡി |
| ør | ഡി |
| øg | ഡു |
| øt | ഡു |
| øôg | ഡ്യൂ |
| øôt | ഡ്യൂ |
| øx | ഡ് |
| ssø | ഡൈ |
| søe | ഡോ |
| aøe | ഡോ |
| sø | ഡെ |
| aø | ഡെ |
| øe | ഡാ |
| ø | ഡ |
| Cf | ണി |
| Cr | ണി |
| sC | ണെ |
| Ce | ണാ |
| C | ണ |
| lf | തി |
| lr | തീ |
| lg | തു |
| lt | തൂ |
| lôg | ത്യൂ |
| lôt | ത്യൂ |
| ÓõX | ത്യേം |
| lõ | ത്യ |
| lô | തൃ |
| ùlX | ത്രേം |
| lVX | ത്വം |
| lX | തം |
| lx | ത് |
| ùéõX | ന്ത്ര്യെം |
| ùlg | ത്രു |
| ùl | ത്ര |
| aèe | ത്തോ |
| sè | ത്തെ |
| aée | ന്തോ |
| s­ç | ണ്ടെ |
| *sç* | ണ്ടെ |
| ssl | തൈ |
| sle | തൊ |
| ale | തോ |
| sld | തൌ |
| sl | തെ |
| al | തേ |
| le | താ |
| l | ത |
| Lf | ഥി |
| Le | ഥാ |
| L | ഥ |
| of | ദി |
| or | ദീ |
| og | ദു |
| ot | ദൂ |
| oôg | ദ്യൂ |
| oôt | ദ്യൂ |
| oô | ദൃ |
| oX | ദം |
| ox | ദ്ദ് |
| ÎõX | ത്മ്യേം |
| íVe | ദ്ധ്വാ |
| oõX | ദ്യം |
| íõ | ദ്ധ്യ |
| aÑ | ദ്ദേ |
| ùo | ദ്ര |
| sso | ദൈ |
| soe | ദോ |
| aoe | ദോ |
| so | ദെ |
| ao | ദേ |
| oe | ദാ |
| o | ദ |
| Of | ധി |
| Or | ധീ |
| Og | ധു |
| Ot | ധൂ |
| Oôg | ധ്യൂ |
| Oôt | ധ്യൂ |
| OX | ധം |
| Ox | ധ് |
| ùO | ധ്ര |
| ssO | ധൈ |
| sOe | ധൊ |
| aOe | ധോ |
| sOd | ധൌ |
| sO | ധെ |
| aO | ധെ |
| Oe | ധാ |
| O | ധ |
| vf | നി |
| vr | നീ |
| vg | നു |
| vt | നൂ |
| vôg | ന്യൂ |
| vôt | ന്യൂ |
| vX | നം |
| vx | ന് |
| võe | ന്യാ |
| À | ന്ധ |
| zÜf | ന്റ്റി |
| **azÜ** | ന്റ്റെ |
| **szÜ** | ന്‍റെ |
| **võX** | ന്യം |
| võ | ന്യ |
| szJ | ന്‍റെ |
| aÿe | sന്നോ |
| sÿ | ന്നെ |
| ssv | നൈ |
| sve | നൊ |
| ave | നോ |
| svd | നൌ |
| sv | നെ |
| av | നേ |
| ve | നാ |
| v | ന |
| hf | പി |
| hr | പീ |
| hg | പു |
| ht | പൂ |
| hX | പം |
| hx | പ് |
| h¥x | പ്പ് |
| h¥g | പ്പു |
| ùh | പ്ര |
| ah¥e | പ്പോ |
| sh¥e | പ്പോ |
| sh¥ | പ്പെ |
| h¥e | പ്പാ |
| h¥f | പ്പി |
| h¥ | പ്പ |
| ssh | പൈ |
| she | പൊ |
| ahe | പോ |
| shd | പൌ |
| sh | പെ |
| ah | പേ |
| he | പാ |
| h | പ |
| Hf | ഫി |
| Hr | ഫീ |
| Hg | ഫു |
| Ht | ഫൂ |
| Hôg | ഫ്യു |
| Hôt | ഫ്യൂ |
| HX | ഫം |
| Hx | ഫ് |
| ssH | ഫൈ |
| sHe | ഫൊ |
| aHe | ഫോ |
| sHd | ഫൌ |
| sH | ഫെ |
| aH | ഫേ |
| He | ഫാ |
| H | ഫ |
| yf | ബി |
| yr | ബീ |
| yg | ബു |
| yt | ബൂ |
| yôg | ബ്യു |
| yôt | ബ്യൂ |
| yX | ബം |
| yx | ബ് |
| ùyt | ബ്രൂ |
| aêe | മ്പോ |
| ssy | ബൈ |
| sye | ബൊ |
| aye | ബോ |
| syd | ബൌ |
| sy | ബെ |
| ay | ബേ |
| ye | ബാ |
| y | ബ |
| Yf | ഭി |
| Yr | ഭീ |
| Yg | ഭു |
| Yt | ഭൂ |
| Yôg | ഭ്യു |
| Yôt | ഭ്യൂ |
| YX | ഭം |
| Yx | ഭ് |
| Yõe | ഭ്യാ |
| ssY | ഭൈ |
| sYe | ഭൊ |
| aYe | ഭോ |
| sYd | ഭൌ |
| sY | ഭെ |
| aY | ഭേ |
| Ye | ഭാ |
| Y | ഭ |
| cf | മി |
| cr | മീ |
| cg | മു |
| ct | മൂ |
| côg | മ്യു |
| côt | മ്യൂ |
| cX | മം |
| cx | മ് |
| sî | മ്മെ |
| aîe | മ്മോ |
| ssc | മൈ |
| sce | മൊ |
| ace | മോ |
| scd | മൌ |
| sc | മെ |
| ac | മേ |
| ce | മാ |
| c | മ |
| ãf | യി |
| ãr | യീ |
| ãg | യു |
| ãt | യൂ |
| ãôg | യ്യ്യു |
| ãôt | യ്യൂ |
| ãX | യം |
| ãx | യ് |
| ãªe | യ്യാ |
| ãªg | യ്യൂ |
| ssã | യൈ |
| sãe | യൊ |
| aãe | യോ |
| sãd | യൌ |
| sã | യെ |
| aã | യേ |
| ãe | യാ |
| ã | യ |
| jf | രി |
| jr | രീ |
| jg | രു |
| jt | രൂ |
| jôg | ര്യൂ |
| jôt | ര്യൂ |
| jõX | ര്യം |
| jX | രം |
| jx | ര് |
| ssj | രൈ |
| sje | രോ |
| aje | രോ |
| sjd | രൌ |
| sj | രേ |
| aj | രേ |
| je | രാ |
| j | ര |
| nf | ലി |
| nr | ലീ |
| ng | ലു |
| nt | ലൂ |
| nôg | ല്യൂ |
| nôt | ല്യൂ |
| nX | ലം |
| nx | ല് |
| anX | ലേം |
| n¥f | ല്പ്പി |
| nâeX | ല്ലാം |
| anâe | ല്ലോ |
| nâe | ല്ലാ |
| nâ | ല്ല |
| ssn | ലൈ |
| sne | ലൊ |
| ane | ലോ |
| snd | ലൌ |
| sn | ലെ |
| an | ലേ |
| ne | ലാ |
| n | ല |
| bf | വി |
| br | വീ |
| bg | വു |
| bt | വൂ |
| bôg | വ്യു |
| bôt | വ്യൂ |
| bX | വം |
| bªx | ര്‍വ്വ് |
| bx | വ് |
| bõe | വ്യാ |
| bõ | വ്യ |
| ssb | വൈ |
| sbe | വൊ |
| abe | വോ |
| sbd | വൌ |
| sb | വെ |
| ab | വേ |
| be | വാ |
| b | വ |
| Mf | ശി |
| Mr | ശി |
| Mg | ശു |
| Mt | ശൂ |
| Môg | ശ്യു |
| Môt | ശ്യൂ |
| MX | ശം |
| Mx | ശ് |
| Mõ | ശ്യ |
| M¡ | ശ്ന |
| ùM | ശ്ര |
| MVe | ശ്വാ |
| *ùMt* | ശ്രു |
| ssM | ശൈ |
| sMe | ശോ |
| aMe | ശോ |
| sMd | ശൌ |
| sM | ശെ |
| aM | ശേ |
| Me | ശാ |
| M | ശ |
| óf | ഷി |
| ór | ഷി |
| óg | ഷു |
| ót | ഷു |
| óX | ഷം |
| óx | ഷ് |
| óõ | ഷ്യ |
| ssó | ഷൈ |
| sóe | ഷോ |
| aóe | ഷോ |
| sód | ഷൌ |
| só | ഷെ |
| aó | ഷെ |
| óe | ഷാ |
| ó | ഷ |
| mf | സി |
| mr | സീ |
| mg | സു |
| mt | സൂ |
| môg | സ്യു |
| môt | സ്യൂ |
| m¢X | സ്സം |
| m¢g | സ്സു |
| mX | സം |
| mx | സ് |
| m¡ | സ്നേ |
| *m¥* | സ്പേ |
| mVe | സ്വാ |
| mV | സ്വ |
| m£ | സ്ത |
| m£õe | സ്ത്യാ |
| m¢f | സ്സി |
| m£g | സ്തു |
| Æf | സ്ഥി |
| ssm | സൈ |
| sme | സൊ |
| ame | സോ |
| smd | സൌ |
| sm | സെ |
| am | സേ |
| me | സാ |
| m | സ |
| uf | ഹി |
| ur | ഹീ |
| ug | ഹു |
| ut | ഹൂ |
| uôg | ഹ്യു |
| uôt | ഹ്യൂ |
| uô | ഹൃ |
| uX | ഹം |
| ux | ഹ് |
| ssu | ഹൈ |
| sue | ഹൊ |
| aue | ഹോ |
| su | ഹെ |
| au | ഹേ |
| ue | ഹാ |
| u | ഹ |
| äf | ളി |
| är | ളി |
| äg | ളു |
| ät | ളു |
| äôg | ള്യു |
| äôt | ള്യു |
| äX | ളം |
| äx | ള |
| säe | ളോ |
| aäe | ളോ |
| sä | ളെ |
| aä | ളെ |
| äe | ളാ |
| ä | ള |
| Bf | ഴി |
| Br | ഴി |
| Bg | ഴു |
| Bt | ഴു |
| Bôg | ഴ്യു |
| Bôt | ഴ്യു |
| BX | ഴ്യം |
| Bx | ഴ് |
| ssB | ഴൈ |
| sBe | ഴൊ |
| aBe | ഴോ |
| sB | ഴെ |
| aB | ഴേ |
| Be | ഴാ |
| B | ഴ |
| Jf | റി |
| Jr | റി |
| Jg | റു |
| Jt | റു |
| JX | റ |
| Jx | റ |
| s»e | റ്റോ |
| sJe | റൊ |
| aJe | റോ |
| sJ | റെ |
| aJ | റെ |
| Je | റാ |
| J | റ |
| e | ാ |
| f | ി |
| r | ീ |
| g | ു |
| t | ൂ |
| ô | ൄ |
| x | ് |
| a | േ |
| s | െ |
| d | ൗ |
| X | ം |
| Û | ഃ |
| W | ൾ |
| q | ർ |
| w | ൽ |
| z | ൻ |
| Q | ൺ |
| ö | ട്ട |
| ç | ണ്ട |
| º | ണ്ണ |
| è | ത്ത |
| é | ന്ത |
| ÿ | ന്ന |
| ê | മ്പ |
| î | മ്മ |
| Ä | ല്ല |
| ú | ള്ള |
| | | ന്മ |
| Å | ണ്മ |
| § | പ്മ |
| ¿ | പന്‍ |
| Ã | ജ്ജ |
| Æ | സ്ഥ |
| À | സ്ധ |
| Ì | ന്ദ |
| » | റ്റ |
| Î | ത്മ |
| È | ജ്ഞ |
| Í | ണ്ഡ |
| Ô | ത്ന |
| ° | സ്റ്റ |
| Ó | ര്‍ത്ഥ |
| í | ദ്ധ |
| É | ത്ഭ |
| Ñ | ദ്ദ |
| óÛ | ഷ്ണ |
| yÚ | ബ്ദ |
| h£ | പ്ത |
| m¡ | സ്ന |
| h¥ | പ്പ |
| h¢ | പ്സ |
| i® | ഗ്ഗ |
| iâ | ഗ്ല |
| hâ | പ്ല |
| yª | ബ |
| yâ | ബ്ല |
| câ | മ്ല |
| ã¬ª | യ്യ |
| bª | വ്വ |
| Mâ | ശ്ല |
| M« | ശ |
| mâ | സ്ല |
| m¢ | സ്സ |
| uâ | ഹ്ല |
| zÜ | ന്‍റ |
| óØ | ഷ്ട |
| Cg | ണു |
| Ct | ണു |
| çg | ണ്ടു |
| çt | ണ്ടു |
| ºg | ണ്ണു |
| ºt | ണ്ണു |
| C¥ | ന്നപ് |
| èg | ത്തു |
| èt | ത്തു |
| èô | തൃ |

**heëeX vcgTg heëeX….. ..**

**hglfã Zjg ievX**

mgKog:K mîfùMceã Zjg mXbwmjX ktëf òjfùlèfszJ leägkäfanãxTg ce»sh¥ög. Zjg hglfã bqóèfszJ belfng kW vcgTg cg†êfw lgJTsh¥ög. aheã bqóèfszJ ùhejXY ofv~äfw Gwmeuaèesë ùh bôèfkäfanqsh¥ö hnjgX Zeqî käfw ceùlceãf DbaMófòªg. bq óejXYèfw Sëgè vfJab »sh¥ëeè lrjgcev~aäeqèx bôLe hjflhfTgkãgX aheã veägkäfsn vóxë~W ZjfTw ktëf kCTg ktögkãgX sòãªgÿg aMófòªbq. A»bgsceëgbfw, lrjgcev~ägsë hglfã höfk ãgceãf hglgbqóèfanãxTg ùhabMfTgkãgX sòã£g. Ebq èvbfjmceã Fd lgëT~ WTgX ZëgT~WTgX Zjg ce»X abaç? sòaãªçlg hnlgX sòãªe slãgX sòãªçeèb sòã£gX kgsJ bfnsh¥ö mcãX veX vóxëce Tfãfanâ? Flfw Sùl mcãX veX ssobaèesëeh¥X sònbBfòªg. k èômÿfOfãfw sònbBfTgÿ Zjg ofbmX absJ EãfjX ofbmaèTeW Gècscÿx lfjg bòvX hJãgÿgsçRfngX vcgT lfvg kBfåfögaçe? ssob aèeëgX cvgóõajeëgX kg»c» cvm¢eìfaãesë kBfåbqTx bqóebmevèfRw mXlôh£fãg çx. hglfã bqóbgX DbqTx D~sv lsÿãeãfjfTgX.

kBfå veägkäfw anek mXY b~äfw òfnlx vsî sÂöf TgkãgX òfnlx vsî òféf h¥fTgkãgX sòã£g. aneksè mXyÀfòªx ùhalõkfòªx Yejl èfvx FnkxaùëeCfkx, kêõtöq, yufjekeMmXmxkejX, yaãe sëkxaveäpf, ssusëkx kîõtCf aTózmx FbãfsnesT Gãq òªkW Sëgèg keögbevgçx. haì EÎrk mectuõ DO:hl vbgX Dlfvfëãfw cgBòªg keCeX. DÀbfMVem~ägX Dveòej ~ägX Dj~g lkqTgÿg. clùYeéx cvgóõsj DÀje Tgÿg. moeòejnXIvX Zjg lgëqTLãeãf lgëjgÿg. cvm¢gX cvm¢fnfjfh¥gX ceJfsãRfw ceùlac mctuX vÿekgkãgúg. môóxëf lebfsv cJÿgú môóxëfãgsë ùhãeCX veMèfw kneMfTgX.

bqóèfszJ EjXYX cglw Db mevX bsj hjfhenfTgÿlg sso bceCx. Dlx Zeqèx môóxëf lebeã ssobsè culVsh¥ëg aèçlx prbvgú SnâeèfszJ ãgX këcãeCx. avö~W hnlgX cJÿx, DsnâRfw cJòªx vóxë~sä ceùlX GãqèfTeögÿ òfnjgçx. nYfTgÿ v|kW Dbq Zeq Tgkãfnâ, vóxëcekgÿlfsvaãe qèx bfnhfTgX. kBfå ofv~ äfw bÿg YbfTeceãfjgÿ mkn DvqÓ~äfw vfÿgX bfëgbfòª ssobèfszJ cuekjgC Sùl bnfãlx SaÿeqTgÿ Zjg bõ ©fTx mRrqèvTejaveëx aòq ÿx F~sv heëgbez kBfãgX, "“ãaueb vîgsë hìèfnâe ãfjgÿgsbRfw, cvgóõq vaîeëx Slfqèah¥eW.. .. .. aböTejgsë kCfãfw vfÿgX hìfsãÿ ahesn vîgsë ùheCz bBg lfah¥eÿf jfTgÿg.. .. .. " (mRrqèvX 124)

AslnâeX meuòjõ~äfw veX Eãfjgÿg. SùlceùlX Dhkë~W veX kQcgêfw kçg, Sùlaãe ahjgsë cjCèfvg veX meìfkäeãf, Sùlaãe ajeifkägsë oejgCebÆ veX cvm¢fneTf. FbsãesT vîgsë prbflèfngX mXYbfTeceãfjgÿg SRfngX EkeMsèãgX YtcfsããgX GçeTfã ãaueb vcgTx mueãceãfjgÿlfvew Zjg hglgbqóèfszJ EjXYX ktëf veX kçg. Flfvg hkjceãf hBkf Mgóxkfòª Zjg Fdjëfãnâ mqbªM©z vîfw vfÿgX ùhlrìfTgÿlx. Dbz Dbz sòã£ mkn Ghkej~ägX Zeqèx uôoãeéqYei~äfw vfÿgX Gãjgÿ vÌf vfJå m£glfirl~W hglfã heögkäeãf vîfw vfÿgX ZBgkCX. "ãauebãxTx Zjg hglfã heög heëgbrz ….. .. .. .. veW aleJgX DbszJ jìsã ùhmfíceTgbfz" (mRrq èvX 96:2)

Zeaje ofbmbgX hglfã irl~W jòfTgbez lTbºX ssobX vsî v|käew DnRjfTgÿg. haì veX Dlg mxcjfTeJfnâ SÿleCx bem£bX. ssobsè am¡ufTgÿ, ssobsè keèfjfTgÿ Zjg Y©vg abçf ssobX sòãªgÿ ùhbqèfkW 33 eX mRrqèvèfw bfm£jfTgÿg çx. Dlõgÿlvx hglfã heög heëg bez heögkejz EuVevX sòãªgÿg. Ségskesçÿew DbszJ mkn ùhbôèfkägX bfMVm£lãgúlekãe w laÿ. anekèfw mectuõ, kgëgXy, bõ©fyÀ~äfw bfMVm£l Sÿlx DvõceãfsTeçfjfTgaêeBgX vaîeëg oããgúbveãf vsî am¡ufòªg h jfhenfTgÿ ssobX Sùl bfMVm£veCx.

ssobX DjgäfsòªãªgÿlgX kn¥fTg ÿlgX Dlgahesn mXYbfTgÿg. ùhháèfszJ môóxëflebeã ssob èfszJ DùhacãlVX bfbjfTgÿ m RrqèvTejz hJãgÿg, "ãaueb ãgsë oôóxëf lszJ Y©|ejgsë acngX lszJ oããxTeãf ùhlõeMfTgÿbjg sëacngX FjfTgÿg; Dbjgsë ùheCsv cjCèfw vfÿg bfëgbfh¥evgX ìec èfw Dbsj prbavesë jìfh¥evgX lsÿ." (mRrqèvX 33:18,19) mqbªM ©veã ssobèfszJ Fd cuekjgC ZeqTgÿ Zjeägsë uôoãèfszJ EBèfw vfÿgX DJfãesl lsÿ hglfã heögkägãjgX. D~sv veX Zeqèg ave Tfãew ofbmX aleJgX Sºfãew lrjeèùl heög kW jòfaTçlanâ? heëeX, vcgTg heëeX, Dlõgòª veoaèesë, "veX cgëfåg aheke lfjfTgÿlg ãauebãgsë oããe kgÿg; DbszJ kjgC lrqÿg aheãföfnâanâe; Dlg jebfsn aleJgX hglfãlgX vfszJ bfMVm£l bnfãlgX Ekgÿg." (bfneh~W 3:22,23)

**ofvX aleJgX**

**ssobcgKX oqMfTgk**

**Jb. hf. sS. AùyueX**



ùheqÓv EbMõcfnâeèbq EsjRfngcgsçRfw Dlg ssobX ceùlceCx. Dleãlx, cvgóõveãf pvfòªbsjnâeX ùheqÓvãxTx mcãX sònbBfTCscÿg mejX. kqèebx hæfh¥fòª ùheqÓvãfw ‘“mVqi®Æveã hfleab’” Sÿ mXayeOv clf ssobbgX vecgX lîfngú yÀbgX ssobèfvg lszJ cTaäeëgú kjglngX cvm¢fneTgbez. Dÿgbsjãgçeãfjgÿ bfMVemsèãgX EjeOvsããgX Eòej~säãgX lkfëX cJfTgÿ Zjg DÉgl kejõceãfjgÿg kqèebx E mXayeOvãfntsë vfqbªufòªlx.

cgëfãveã hgùlz avjföx Dh¥szJãjfkfw bjesl bnâ abnTejsvaãe DãwTejsvaãe cíõbqèfãeTf sbòªx hflebfaveëx oãeYõqÓv skeëgèfjgÿgsbRfw S~svãfjfTgceãfjgÿgsbÿx vf~W òféfòªg aveTfãfögaçe? Dlg bäsj nÃebuceã kejõceCx. bem£bceãf hËeèhfTgÿ Zjg ssobsèãnâ, hËeèehbfbMveã Zjg hf|e»Tejsv ktëf oãehjveã ssobX lszJ mÿfOfãfw mVrkjfTgÿg.

Dlfbfsë vfnxTsö. kqèôùheqÓvãfsn Dÿÿgú Dh¥X lajCac Sÿ Dahì ùMífòªew Dlfsnejg bnfã mlõX Déqnrvceãfögçx. ZjeBxòaèãxTgú EuejX Zÿfòªg aòeofòªg ktaë, Ssÿejg mXMãX cevõbeãvTeqTgçeaãTeX. Dlfvx Z»beòkèfngú cJghëf, ofvX aleJgX lszJ cTägsë cgKX keCCscÿgX Dbjgsë MyxoX akWTCscÿgX hflebeã ssobX EùiufTgÿgsbÿleCx.

ntaTemfszJ mgbfaMóX 18 eX Díõeãèfw beBxèsh¥ö kqèebx bfMVemaèeëg ktëfã ùheqÓvãxTgú Zjg oôóxëeéX hJãgÿgçx. Dvrlfãgú Zjg võeãeOfhz; ahejesãRfw cvgóõsv bksbãxTgkãfnâ. ssobsè Yãbgcfnâ. E cvgóõszJ võeãèrqh¥gkW S~svãfjgÿfjfTgX? SùlahqTx vrlf sòã£fjfTgX? Fd võeãeOfhszJ DëgTneCx Zjg bfOb Dbägsë bõbuejbgceãf bÿlx. Dbägsë kejõèfw vrlf vëèfsTeëgTgbez Fd YjCeOfkejfTx Zögac len¥jõcfnâeãfjgÿg. Dbz Dbsä idvfòªalãfnâ. haì bfOb DsleÿgX kCTeTfãfnâ. DbW vfjéjceãf Fd vrlfskö võeãeOfhsv Dmuõsh¥ëgèfsTeçfjgÿg. ZëgTscéeãf? võeãeOfhvg kg»ayeOX, DhcevYrlf, Sÿfb kejCX DãeW E bfObãgsë ùhM¡èfvg hjfuejX bjgèfsTeëgèg. kqèebx Fbfsë bfMVemaèeëg ktëfã ùheqÓvãxTeCx Gdÿw vwkgÿlx. bfMVemaèeëg ktëfãgX DnâeslãgX ùheqÓfTeX. Sÿew Zjg ssobsshlw EbMõ~W am£eùlaèesë ssobaèeëJfãfTgaêeW lecmfòªengX ssobX cJghëf ljgscÿgú vfËãceCg abçlx.

ntaTemfw lsÿãgú cs»ejg GÑeujCceCx Dqíjeùlfãfsn am¡uflszJ kNL. EbMõayeOceCx Dbfsë, E DYõqÓvãfw vfBnfòªg vfwTgÿlx. EÎrk DqÓX vwkfãew prbflèfsn ùhlfmÀfkägsë Dqíjeùlfãfw mueãX DYõqÓfTgaêeW ab­çgabeäX skeëgTgÿ Zjg hflôÆ DãwTejz. Zjg haì bäsj veägkW ktëf lsÿ mÌqMfòª lszJ am¡uflvg bfMh¥ëTez akbnX ctÿh¥X ceùlac beãxhãeãf aòeofòªgúg. haì abçgÿfëaèeäceCx nYfòªlx. FleCx oevèfszJ Zdoejõscÿg hJãgÿlx. veX vîgsë Däbg sbòªx Däÿg aòeofTgaêeW Ytcfãgsë sheëf veBfãfw skeúfTgÿ lêgjez Däÿg ljgÿlx abçgabeäceCx. lszJ Ovèfsveèbºscÿg hJãgÿ DäbeCx ssobX Däÿg ljgÿlx.

ssovXofvX ssobaèeëg ùheqÓvãfw yÀsh¥ëgbez vcgTx GwmgkjekeX. brçgX Zjg hglgbwmjX ktëf Eilceãf. bem£bèfw mtajõeoãX ofbmèfvejXYX Fëgÿlgahesn ùkfm£gbfszJ GoãceCx anekèfvx vbãgièfszJ ùhYelX ùhoevX sòãªgÿlx. Zjgbvfw ùkfm£g mXpelcekgaêeW Dbfsë hglgãgiX bfëjgÿg. cevõmguôègTsä! brëgaleJgX vìùlbfäTgkW ltTf ùkfm£gcmx EaIeófTgÿlfnnâ, uôoãèfw ùkfm£g ùhkeMfTgÿlfneCg kejõX. kèfèrjgÿ hëT~W sheöfòªfsnâRfngX EÎrã vabeÓevèfszJ ces»enfkW uôoã~äfw cgB~sö. Dlõgÿl~äfw ssobèfvg culVX skeëTgÿbvx Ytcfãfw mceOevbgX nYõceCx. bfùiuejeOvãgX bBfakëgkägX ssksbëfåx mlõssobsè ZjfTneãf sbäfsh¥ëgèfã ùMraãMgveLsv beBxèfh¥gkBxèeX. "vf~ägsë ygífcgöx ZsTãgX culVaèesë lszJ OvèfsveèbºX ùkfm£gaãMgbfw htqºceãf lrqèg ljgÿ" ssobèfszJ mÿfOfãfw ofvXaleJgX vcgTg këÿg sònâeX. ssobfk hjfheëfãfw Zjg hglgbqóX GsçRfw Dlx vcgTx nYfTsö. DlfabiX vîgsë kqèbõ~sä lfksòªëgTgÿ Zjg vnâ abäãeãf Fd bqóX YbfTsö. AbsjãgX ssobX mwygíf ùhkeMfh¥fòªx DvgùiufTsö.

**apeQ sbmxnf**



17eX vt»eçfszJ DbmevbgX 18eX vt»eçfszJ EjXYbgX FXixäçx bnfsãejg GCqbfvx keèfjfTãeãfjgÿg. Dah¥eBeCx mtmÿ sbmxnfãgsë hgùlveã apeQ sbmxnfãgX maueojz òeWmx sbmxnfãgX ssob kj~äfw Sëgèx GhaãeifTsh¥ölx. GC~f cgjëfòªx kfëÿfjgÿ EÎrãprbfl~sä Dbjfw ktëf läfqèx bäqÿg hénfòªg "hjfMgí ùhmxLevX" Sÿ ahjfw Zjg mXIëv GësnëgTgkãgX FXixäçfnesk bõehfTgkãgX sòãxlg. ùkacC Dlx anekèfszJ bfbfO Yei~äfw scaLeøfmx»x Sÿ anekùh Æevceãfèrqÿg.

pvvbgXbfoõeYõembgX

1689 w òqòªx ZeHx FXixäçfsn Zjg mYe MgùMtókveãfjgÿ Jb: mecgabw sbmxnf, mtmÿ Sÿ ãgblfsã bfbeuX kBfòªg. sbmxnfo êlfkWTx 19 kgöfkW pvfòªg. D lfw 6 kgöfkW ssMMbùheãèfw lsÿ cjfòªg. apeQ sbmxnf pvfòªlx 1703 ptQ 17 eX lrãlf FXixäçfsn AHxaHqèx Sÿ Æn èeãfjgÿg. 19 kgåg~äfw 15 ecveãfjgÿg apeQ. Dbjfw 18 ecveãfjgÿg anek ùhMmxl ieãkvgX, jòãflebgX Eãf lrqÿ òeWmx sbmxnf. mecgbw sbmxnfsã ktëesl kgëgX yèfw òfn yÀgTägX hgajeufl|eje ãfjgÿg. Gÿl bfoõeYõemX nYfòª Zjg Dvgiôurl bvflãeãfjgÿg celebx. Dbjgsë kgëgXyX bäsj oejfùoõX DvgYbfòªg SRfngX lszJ cTW SÄebjgX mêÿjeãfèrjCscÿx mtmÿ Eùiufòªg. ZjfTw këyeíõlvfcfèX Yqèebeã Jb: mecgabw pãfnfw DëTsh¥ög. E mcãègahengX cTsä YãY©fãfngX bäsj òföãfngX b äqègbevgX, hjfMrnvX vwkgbevgX vfóxæ henfòªfjgÿg. apeQ sbmxnfãgsë kBfbgksäh¥»f bäsj sòJgh¥èfw lsÿ celebx cvm¢fneTf. Dbsv hjfMrnfh¥fTgbevgX, hæfh¥fTgbevgX ùhalõkX ùMífòªg. Fóxësh¥ö hgmxlk~W mtmÿ lfjsåëgèx vwkfãfjg ÿg. apeCfszJ 6eX bãmfw Dbjgsë YbvbgX lrTfjãeãf. ssobèfszJ kôhãew apeQ jìsh¥ëgkãeCgçeãlx. lszJ 17 eX bãm¢fw ZekxmxaHeqøfsn ssùkmx»x akeaäpfw aòjgkãgX 4 bqósè hævèfvgaMóX bfkejfãeãf vfãcflvekgkãgX sòãxlg. bäsj kBfbgú apeQ ògjgTveWskeçx òjfùlbgX, HfanemHfãgX hn YeókägX sskbMceTf. coõ èfvx Dëfckäeãf OeqîfkeO:hlvèfw kBfãgÿ pv~WTx jtheéjX GçekCscÿx apeQ Dlfãeãf Eùiufòªg. Dlfvew maueojz òeWmx sbmxnfãgsë mueãaèesë höCXaleJgX këÿg sòÿx ùhmXifTgkãgX heögkW apeCfszJãgX òeWmfszJãgX ùh bqèvHnceãf Davkq cevme éjsh¥ög. ZjfTw apeQ lszJ ùhbqèvèfw cgBgkfãfjgÿah¥e W Y©veã Zjg cvgóõz këÿgbÿx apeCfaveëx FùhkejX hJåg "vf~ägsë ùhbqèvX vÄslRfngX Z»Tx ùhbqèf TgaêeW òfnah¥eW ùhãem~ägX ùhlfktn~ägX avjfëgX Dlgske çx c»gú ssoboem|eajeëx aòqÿx ùhbqèfTgÿlx bäsj mueãkceCx". Flx cvm¢fne Tfã apeCgX maueojz òeWmgX ssob bòvsè Dal hëf bfMVmfTãgX ùhmXièfvgX, abohejeãCèfvgX bäsj ùhe OevõX skeëgèx ùhbqèfTgÿ mXIëvãeã "hjfMgí mXI ëvaãeëx" aòqÿx ùhbqèfTgbez lrjgcevfòªg. ùhmXifTgk ceùlcÄ pãfnfw Eãfjgÿ Daébe mfksä mÌqMfTãgX DbqTg abçf ùhalõkX EjeOve mqbrmgkW vëègk ãgX sòãxlg apeQ sbmxnf 1735 October 14 eX lrãlf DacjfTãfanTx ãeùl lfjfòªg. ãeùlTfëãfw kh¥nfw sbòªx Davk pqîzkesj keCg bevgX hjfòãsh¥ëgbevgX apeCf vx kBfåg. Dbajeëx mgbfaMóX hJãgbez Dbjgsë Yeó apeCfvx DJfãfÄeãfjgÿg. AkaoMX 620 ahq kh¥nfw Gçeãfjgÿg. ãeùl Tfëãfw Zjg ofbmX bnfsãejg këwaìeYbgX, ke»gX akeäfäT bgX Gçeãf. Sÿew ssob èfszJ kôh Dbsj jìfòªg. ktögkejgsë mueãaèesë mgbfaMóX DJfãfTgkãgX heëgkãgX sòãxlg. ktëesl mxktägkägX DveLenã~ägX EMghùlfkägX hn mxLn~äfw ÆehfTãgX sòãxlg. aMóX ãeùlTeajeëx hJãgbevgX ùheqÓfTgbevgX EjXYfòªg. DlfszJ Hnceãf DavkqTx ùkfm£gbfsvkgJfòªx akWTgbevgX, mVé jìflebeãf mVrkjfh¥evgX kBfåg. òfn veägkWTgaMóX DacjfTãfsn apeqpfã Sÿ Ænèx kh¥w FJ~f. Dbf sëãgçeãfjgÿ sJøx FzøõTe sj jìãfanTx vëègkãe ãfjgÿg EùiuX. DlfvgaMóX brçgX FXiâçfanTx ãeùl lfjf òªg. hfÿrëx kgëgXyprbfl èfan Tx ùhabMfsòªRfngX, apeCfszJ kgëgXyprbflX ZjfTngX maée óace, mceOevace, mXlôh£faãe, mdYeiõace vwkfãfÄ. SRfngX S~svsãRfngX EÎeTsä av ëgk Sÿ Eùiuceãfjgÿg ape CfazJlx. anekèfszJ bfbfO Yei~äfw kh¥nfngX kglfjh¥gJ ègX kewvëãeãgX ãeùl sòã£g. 52 bqóX jìãgsë otlgceãf ãeùl sòã£g. bäsj Dvgùiurlceãf lszJ abn 88 eX bãm¢gbsj lg ëqÿg. Déõofv~äfw ùhfãsh¥ö yÀgTsäãgX, ktögkesjãgX le z mÌqMfòªg. òfn veägkW kBf åg ajeièew DaÑuX bf ócfòªg. lez Dbmevceãf òg »gX vfÿbajeëx FùhkejX hJåg "SÄeèfngX vÄlx ssobX vaîe ëx ktsëãgúleCx". (The best of all is, God is with us) lszJ Dbmev ùhmXiX 2 ahjgsë mueãaèe sëãeCx vëèfãlx. D~sv 1791 February 28, vx apeQ sbmxnf Fd anekaèeëx ãeùl hJåg. 26 hgmxlkX lez SBglf. ssob èew bäsj GhaãeifTsh¥ö Zjg bõ©fãeCx apeQ sbmxnf.

**YOUR NEED IS**

**MORE THAN MINE**

Mrs. Rachel Thomas



We , the human beings are the most precious creation of God almighty. He created us in His own image. The whole universe is considered as His temple. His glory is reflected everywhere. He allowed us to enjoy all the treasures of earth. So we have the responsibility to safe guard all the creations of God to have peace everywhere.

To preserve all the creations of **GOD** , what should we do? God has given us the **five senses** for our survival . We have to use them for the survival of others too. Some resolutions that we can plan to do this new year , I pen down here.

**We must find time to talk to others.** Through the words of communication only we know others and understand them personally. Choose what you say rather than what you choose. While talking we must use endearing words which mend relationships.

**We must find time to hear others**. It is necessary to listen to the words of others. Develop the habit of patience to hear others to create an intimacy with them. Be a good listener also. We must be sensitive to other’s feelings and their emotions.

**We must see the needs of others**. Resources are everywhere in this world. But some grab more and some less. We are not the owners of these resources, but we are the stewards. Then we have to share our material resources to the needy ones. Here I recite the words of Our Jesus Christ ,

“What ever you do the least of my brothers and sisters you do unto me”

**We must smell the problems of others and try to solve them.** Misconceptions may be the main root that hamper the relationships and broken relationships leads to many baseless problems .Even a genuine gesture can transform a deteriorated heart to positive direction.

**We must help others and pray for them**. We must help the needy with the best we can .The help by you should be unconditional. When others go through difficult times , you can be a fair- weather friend. A kind word. a smile , a meaningful look, an assuring hand shake is often more valuable than giving a material aid. We must pray for the needs of others in the same emotional and dedicated way as we pray for ourselves. If our prayer is sincere and dedicated , it will bear fruits of love, peace and happiness in our daily life.

Here I remember an incident in the Life of Sir Philip Sidney. Sir Philip Sydney was a British commander. In a battle he was severely wounded, became weak and fell down. Soon his soldiers carried him to a shelter. He was feeling so thirsty and there where no water nearby. With great difficulty his soldiers brought a glass of water to him. As he held the glass of water to drink , he noticed that one of his soldiers was more severely wounded and showing the agony of death. Sir Philip Sydney immediately said “ Dear friend, your need is greater than me, you drink this glass of water”. He gave the water to the dying soldier. What a great sacrifice!

Are you like this commander? Do you blame others for your difficulties? Do you have the heart to find goodness in others? Are you ready to give unconditionally?

All through our life ,the joy that we give others will come back to us in multiples. And the more we spend in blessings to the needy will return to us in bundles .

**ജോസഫ് ക്രൈസ്തവ**

**ദര്‍ശനത്തിന്‍റെ നക്ഷത്ര തേജസ്സ്**

**കെ.എം.ജോണ്‍സണ്‍,പൂവന്തുരുത്ത്**



യാക്കോബില്‍ നിന്നും ഉദിച്ചുയര്‍ന്നു ലോകത്തിന്‍റെ സൂര്യതേജസ്സായി മാറിയ യേശുക്രിസ്തുവിന്‍റെ നിഴലായി പ്രസംഗിക്കപ്പെടുന്ന യോസേഫിന്‍റെജീവചരിത്ര സംഗ്രഹമാണ് രക്ഷാപദ്ധതിയില്‍ നിഷ്പ്രഭമാകുന്ന വംശീയ പൈതൃകങ്ങള്‍ എന്നാ ശീര്‍ഷകത്തില്‍ കഴിഞ്ഞ ലക്കം ഉള്‍ക്കാഴ്ച്ചയില്‍ നാം വായിച്ചത്. അതിന്‍റെ രണ്ടാം ഭാഗമാണ് ഈ ലക്കം ഉള്‍ക്കാഴ്ച്ചയില്‍ നമ്മള്‍ ചര്‍ച്ച ചെയ്യുന്നത്. വേദപുസ്തക ചരിത്രത്തില്‍ പൂര്‍വപിതാക്കന്മാരില്‍ ഏറ്റവും ദൈര്‍ഘ്യമേറിയതു യോസേഫിന്‍റെ ചരിത്രമാണ്. യാക്കോബിന്‍റെ ഇഷ്ടപത്നിയായ റാഹേലിന്‍റെ രണ്ടു പുത്രന്മാരില്‍ മൂത്തവനായിരുന്നു യോസേഫ്. പിതാവായ യാക്കോബ് യോസേഫിനെ ഏറ്റവും അധികമായി സ്നേഹിച്ചു. യിസഹാക്കിനുണ്ടായിരുന്ന അതേ ബലഹീനത യാക്കോബിനും പൈതൃകമായി കിട്ടി (ഉല്പ 25:28, 37:3,4) ഇത് കുടുംബകലഹത്തിനു കാരണമായി ലഭിച്ചു.

യോസേഫിന്‍റെ ഉയര്‍ച്ചയുടെ പിന്നില്‍ സ്വന്തം സഹോദരന്മാരുടെ അസൂയയും വിദ്വേഷവും പകയും ഉണ്ടായിരുന്നു. യോസേഫ് ഉള്‍പ്പെടെയുള്ള പന്ത്രണ്ടു സഹോദരന്മാരും ലേയ, റാഹേല്‍ എന്നീ സഹോദരിമാരുടെ പുത്രന്മാരായിരുന്നു. (ദാസിമാര്‍ ജന്മം കൊടുക്കുന്ന കുട്ടികളും യജമാനത്തിമാരുടെ മക്കളായി അംഗീകരിക്കപ്പെട്ടിരുന്നു. ഉല്പ: 30:3-8, 10-13)

ലേയ എന്നതിനു പശു എന്നും റാഹേല്‍ എന്നതിനു ആട് എന്നും അര്‍ത്ഥവ്യാഖ്യാനമുണ്ട്.ഈ അര്‍ത്ഥത്തില്‍ ഗോക്കളെ മേയിച്ചിരുന്ന ഗോപാലഗോത്രങ്ങളും അജങ്ങളെ പരിപാലിച്ചിരുന്ന അജപാലഗോത്രങ്ങളും തമ്മിലുള്ള മത്സരമായിരുന്നു എബ്രായരുടെ ഇടയില്‍ തന്നെ ഉടലെടുത്തിരുന്നത് എന്നു പണ്ഡിതന്‍മാര്‍ അഭിപ്രായപ്പെടുന്നു. ഈ ഗോത്രങ്ങളില്‍ തന്നെ ഒരമ്മയുടെ മക്കളായ യോസേഫിന്‍റെ തായ് വഴിയായി എഫ്രയീം-മനശ്ശെ ഗോത്രങ്ങളും ബെന്യാമീന്‍ ഗോത്രവും ചേര്‍ന്ന യിസ്രായേലിന്‍റെ കൈവശാവകാശമായ രാജ്യത്തിന്‍റെ പ്രധാനപ്പെട്ട ഭാഗങ്ങള്‍ കയ്യടക്കി അവരുടെ മേല്‍ക്കോയ്മ ഉയര്‍ത്തിപ്പിടിച്ചിരുന്നു. അവരുടെ പ്രൌഢി വരുത്തിവച്ച ഭിന്നതയുടെ അപസ്വരങ്ങള്‍ യിസ്രായേലിന്‍റെ പില്‍ക്കാല ചരിത്രത്തില്‍ തുടര്‍ച്ചയായി തലപൊക്കിയിരുന്നു. പ്രാചീന കാലത്ത് പ്രൌഢിയുടെ പിന്‍ബലത്തില്‍ രൂപപ്പെടുന്ന സംഘര്‍ഷങ്ങള്‍ കാലഹരണപ്പെട്ട പ്രതിഭാസമല്ല. ആധുനിക യുഗത്തിലും അതിന്‍റെ അതിപ്രസരം തീവ്രാനുപാദത്തിലാണ്.

ഒരേ വംശത്തില്‍പ്പെട്ട കുടുംബങ്ങളും ഗോത്രങ്ങളും പാരമ്പര്യമായി നിലനിര്‍ത്തി പോരുന്ന വൈരാഗ്യവും കലഹവും സംഹരപ്രവനതയും എന്നത്തെയും നീറുന്ന പ്രശ്നങ്ങളാണ്. വംശീയ കലാപങ്ങളാല്‍ എത്രയോ രാജ്യങ്ങളില്‍ രക്തപ്പുഴ ഒഴുകിയിരിക്കുന്നു. എത്രയോ രാജ്യങ്ങളില്‍ വംശീയത പരിഹരിക്കപ്പെടാത്ത പ്രശ്നമായി അവശേഷിച്ചിരിക്കുന്നു. വടക്ക് കിഴക്കന്‍ ഇന്ത്യയിലെ ഗോത്രങ്ങള്‍ തമ്മിലുള്ള സംഘട്ടനങ്ങള്‍, അഫ്ഗാനിസ്ഥാനിലെ ഗോത്ര പ്രശ്നങ്ങള്‍, ആഫ്രിക്കയിലെ ഉഗാണ്ട, റുവാണ്ട, ബറുണ്ടി മുതലായ രാജ്യങ്ങളിലെ വംശീയ കലാപങ്ങള്‍, അറബ് രാഷ്ട്രങ്ങളിലെ ഇസ്ലാമിക ഉപവിഭാഗങ്ങള്‍ തമ്മിലില്ല മത്സരങ്ങള്‍ ഇവയൊക്കെ ഉദ്ദാഹരണങ്ങള്‍ ആണ്. പ്രത്യേകിച്ച് ഒരു കാരണവും ഇല്ലെങ്കിലും സാങ്കല്‍പ്പികമഹത്വവും ജാതിമേല്‍ക്കോയ്മയും ഉണ്ടാക്കി വയ്ക്കുന്ന കെടുതികള്‍ ഭയാനകമാണ്.

രാഷ്ട്രീയ പാര്‍ട്ടികളിലും മതവിഭാഗങ്ങളിലും പ്രതികാരപ്രവണത വര്‍ധിച്ച തോതിലാണ്.

രാഷ്ട്രീയത്തിന്‍റെ പേരില്‍ അനേകം നിരപരാധികളെ രക്തസാക്ഷികള്‍ ആക്കുന്നു. ആദര്‍ശങ്ങള്‍ക്കു വേണ്ടി നിലനില്‍ക്കുന്നു എന്ന വ്യാജേന വിരോധവും പകയും പാര്‍ട്ടികളില്‍ കത്തി ജ്വലിപ്പിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു. യുവജന വിഭാഗങ്ങളില്‍ വിദ്വേഷത്തിന്‍റെ വിഷം കുത്തി വച്ച് കലാപം വളര്‍ത്തുന്നു. ഫലമായി ആസൂത്രിത കുലപാതകങ്ങള്‍ വരെ ഉടലെടുക്കുന്നു. അപ്പോള്‍ത്തന്നെ ഇമ്മാതിരി അനിഷ്ടസംഭവങ്ങളെ തെറ്റും ശരിയും നോക്കാതെ മത്സരബുദ്ധിയോടെ ആഘോഷിക്കുകയും ന്യായീകരിക്കയും ചെയ്യുന്നു. പാര്‍ട്ടിയിലെ സമുന്നത നേതാക്കള്‍ പോലും വിദ്വേഷത്തിന്‍റെ ഗൂഡാലോചനകളില്‍ പങ്കാളികളാണ്. എന്നിട്ടോ, അവര്‍ ഒന്നിനും അറിവില്ലാത്തവരെപോലെ അഭിനയിക്കുകയാണ്. എനിക്കീ രക്തത്തില്‍ പങ്കില്ല എന്നാണു അവരുടെയൊക്കെ നിലപാട്. നോക്കുക, ഇതാണ് അസൂയയുടെയും വിദ്വേഷത്തിന്‍റെയും വഞ്ചനാപരമായ ആധുനിക മുഖം.

അസൂയ എക്കാലത്തെയും തിന്മയാണ്. ഒരു വ്യക്തിയോ കുടുംബമോ സമൂഹമോ അവരവരുടെ ഭദ്രത മാത്രം ആഗ്രഹിക്കുന്ന പ്രവണതയില്‍ നിന്നാണ് അസൂയ രൂപപ്പെടുന്നത്. പൊതുജന നന്മയ്ക്കായ് ഓരോരുത്തരും അവരവരുടെ കഴിവുകള്‍ പ്രയോജനപ്പെടുത്തുമ്പോഴാണ് കുടുംബം-സമൂഹം എന്നീ സ്ഥാപനങ്ങളുടെ ഗതി ഭദ്രമാകുന്നത്. ഭദ്രതയില്ലാത്ത അന്തരീക്ഷം സൃഷ്ടിക്കപ്പെടുന്നത് അമിതമായ സ്വാര്‍ത്ഥത മൂലമാണ്. മനസ്സില്‍ ആവിര്‍ഭവിക്കുന്ന അസൂയ നിയന്ത്രിക്കപ്പെടാതെ വന്നാല്‍ അത് അസഹിഷ്ണുതയിലേക്കും തുടര്‍ന്ന് നശീകരണ പ്രവര്‍ത്തനങ്ങളിലേക്കും വഴിതെളിക്കും. അസൂയയില്‍ നിന്നുളവാകുന്ന വിദ്വേഷത്തിന്‍റെ വിത്തുകള്‍ മനുഷ്യ മനസ്സുകളില്‍ വേരു പിടിച്ചു വളര്‍ന്നു വൃക്ഷമായി മാറിയിരിക്കുന്നു അതുകൊണ്ടാണ് അസൂയക്കും കഷണ്ടിക്കും മരുന്നില്ല എന്നു പഴമക്കാര്‍ അനുഭവജ്ഞാനം പറഞ്ഞിരിക്കുന്നത്.

ആദ്യമൊക്കെ രാഷ്ട്രീയ ലാവണങ്ങളില്‍ മാത്രം കണ്ടുവന്നിരുന്ന പ്രതിഭാസം പിന്നീടു മത-ആത്മീയ പ്രസ്ഥാനങ്ങളിലേക്ക്, പ്രത്യേകിച്ച് മുഖ്യധാരാ സഭാപ്രസ്ഥാനങ്ങളില്‍ ഭീഭത്സമായി വളര്‍ന്നു. ഏറ്റവും ഒടുവിലിത അത് ആദിമസഭയുടെ തനിമ കാത്തു സൂക്ഷിക്കുന്നവരും വേര്‍പെട്ടവരും എന്നു സ്വയം പറഞ്ഞു നടക്കുന്ന പെന്തെക്കൊസ്തു പ്രസ്ഥാനങ്ങളെയും ഗ്രസ്സിച്ചിരിക്കുന്നു.അസംഖ്യം പെന്തെക്കൊസ്തു പ്രസ്ഥാനങ്ങളാണ് ഇന്ത്യയില്‍ പ്രത്യേകിച്ച് കേരളത്തില്‍ മുളച്ചു പൊന്തിയിരിക്കുന്നത്. അതുകൊണ്ട് അസൂയയുടെ പടുകുഴിയില്‍ വീണു ക്രിസ്തുവിന്‍റെ ശരീരമാകുന്ന സഭയെ വിഭജിച്ചു തകര്‍ത്തുകളയുന്ന ആത്മീയ നേതാക്കളുടെയും അവരുടെ അനുയായികളുടെയും മനസ്സ് പുതുക്കിയുള്ള രൂപന്തരത്തിനായി പഴയനിയമ ഭക്തനായ യോസേഫിന്‍റെ ജീവചരിത്രം ഇവിടെ വിശകലനം ചെയ്യുകയാണ്. ഇത് വായിക്കുന്ന പുതിയനിയമ ഭക്തരായ നമുക്ക് അസൂയയുടെ പടുകുഴിയില്‍ നിന്നും കരകയറാനായി ഉയര്‍ന്നുവരുന്ന രണ്ടു തലങ്ങള്‍ കാണാന്‍ സാധിക്കും.

ക്ഷാമം കഠിനമായി. ഭക്ഷ്യധാന്യം അന്വേഷിച്ചു മിസ്രയെമില്‍ എത്തിച്ചേര്‍ന്ന സഹോദരന്മാരോട് എന്തും ചെയ്യുവാനുള്ള അധികാരം യോസേഫിനുണ്ടായിരുന്നു. തന്‍ ആരാണെന്ന് വെളിപ്പെടുത്താതെ തന്നെ തനിക്കു പ്രതികാരം ചെയ്യാമായിരുന്നു. അവരെ കൊന്നു കളയുകയോ, തടവില്‍ പാര്‍പ്പിക്കുകയോ ചെയ്യാമായിരുന്നു. എന്നാല്‍ പ്രതികാരത്തിന്‍റെ സമീപനമല്ല യോസേഫ് സ്വീകരിച്ചത്. സഹോദരങ്ങള്‍ തന്നോട് ചെയ്ത എല്ലാ കാര്യങ്ങളും അവരോടു ക്ഷമിച്ചു അവരെ പൂര്‍വ്വാധികം സ്നേഹിച്ചു അവര്‍ക്ക് ആവശ്യമായ എല്ലാ സഹായങ്ങളും ചെയ്തുകൊടുത്തു. ബാലനായിരുന്നപ്പോള്‍ തനിക്കു ലഭിച്ച സ്വപ്നം പോലെ കാര്യങ്ങള്‍ കലാഷിചിരിക്കുന്നു എന്നു അവന്‍ മനസ്സിലാക്കി. പക്ഷെ, അത് അവന്‍ തന്റെ സഹോദരന്മാരെ ഒര്‍പ്പിക്കുകയോ അത് പറഞ്ഞു അവരെ അസ്വസ്തരാക്കുകയോ ചെയ്യുന്നില്ല. മറിച്ച്, തന്നെത്താന്‍ വെളിപ്പെടുത്തി പിതാവിനെയും സഹോദരങ്ങളെയും മിസ്രയീമില്‍ കൊണ്ടുവന്നു ഭദ്രതയാര്‍ന്ന ജീവിത സൌകര്യങ്ങള്‍ ഒരുക്കിക്കൊടുക്കുന്നു. യോസേഫിന്‍റെ ഈ സമീപനം സഹോദരന്മാരുടെ ഇടയില്‍ പശ്ചാത്താപവും മന:പുതുക്കവും സൃഷ്ടിച്ചു. അവര്‍ പുതിയ മനുഷ്യര്‍ ആയി തീര്‍ന്നു. യോസേഫിന്‍റെ ചരിത്രം യേശുക്രിസ്തുവിന്‍റെ നിഴലായി പ്രസംഗിക്കുന്നവരും വ്യഖ്യാനിക്കുന്നവരും ഫിലി 2:1-18 വരെ വായിക്കുന്നത് വളരെ പ്രയോജനമാണ്. കാരണം യാക്കോബിന്‍റെ പുത്രന്മാര്‍ക്കു സംഭവിച്ച മന:പുതുക്കം യേശുക്രിസ്തുവിലൂടെ പുതിയ യിസ്രായേലാകുന്ന സഭയിലേക്കു പ്രവേശിക്കുന്നതിന്‍റെ അനുഭവമാണ്. യേശുക്രിസ്തുവിലേക്ക് തിരിയുമ്പോള്‍ ലഭിക്കുന്ന മാനസാന്തരാനുഭവത്തിന്‍റെ ജീവിതാനുഭവങ്ങളാണ് ഫിലിപ്പ്യര്‍ രണ്ടാം അദ്ധ്യായത്തില്‍ പ്രതിപാദിച്ചിരിക്കുന്നത്.

യോസേഫ് തന്‍റെ ജീവിതത്തില്‍ കനാനില്‍ വച്ച് നേരിട്ടതി ന്‍റെ ഘടകവിരുദ്ധമായ അനുഭവങ്ങളാണ് മിസ്രയീമില്‍ കാത്തിരുന്നത്. പ്രത്യേകിച്ച് ഗോത്ര-വംശ വിഭജനങ്ങള്‍ക്ക് അതീതമായി മിസ്രയീമിലെ പ്രവര്‍ത്തന മണ്ഡലത്തില്‍ ജീവിക്കുവാന്‍ ലഭിച്ച അവസരം തന്നെ ഒരു മഹാനാക്കി ഉയര്‍ത്തി.അവന്‍ സിംഹാസനം കൊണ്ട് ഫറവോന്‍റെ രണ്ടാമനായി. എന്നിട്ടും തന്‍റെ ഔന്നത്യത്തില്‍ എളിമ മറക്കാതെ ദരിദ്രരായ തന്‍റെ സഹോദരന്മാരുടെ ആവശ്യങ്ങളിലേക്ക്‌ അവരുടെ തിന്മകളെ മുഖവിലക്കെടുക്കാതെ താണിറങ്ങി അവര്‍ക്കാവശ്യമായ സഹായങ്ങള്‍ ചെയ്തു കൊടുക്കുന്നു. നോക്കൂ, കാഴ്ചപ്പാടുകള്‍ക്കു വിശാലത സൃഷ്ടിക്കുന്ന ദര്‍ശനങ്ങളും ശൈലിയും ജീവിതത്തിനുണ്ടാകണം എന്നാണ് യോസേഫിന്‍റെ ജീവചരിത്രം നമ്മെ മനസ്സിലാക്കി തരുന്നത്.യോസേഫിനു മാത്രമല്ല തന്‍റെ വംശം മുഴുവനും ഗോത്ര-വംശ പരിധികളില്‍ നിന്ന് വിവിധ ജനവിഭാഗങ്ങള്‍ ഉള്‍പ്പെടുന്ന മിസ്രയീം ദേശീയ പശ്ചാത്തലത്തിലേക്ക് ഉയരുവാനിടയായി.

യേശുക്രിസ്തു പഠിപ്പിക്കുകയും പ്രസംഗിക്കുകയും പ്രതിധാനം ചെയ്യുകയും ചെയ്ത ദൈവരാജ്യവും അതിന്‍റെ ദര്‍ശനവുമാണ് സകല പരിമിതികളെയും അതിജീവിച്ചു സ്വര്‍ഗ്ഗവും ഭൂമിയും തമ്മില്‍ സംയോജിക്കുന്ന ദിവ്യാനുഭാവത്തിലേക്ക് വഴിനടത്തുന്നത്‌. അതിന്‍റെ അനന്തവും ദിവ്യവുമായ പരിമാണം സൃഷ്ടിക്കുന്ന മാനസിക വ്യാപ്തി എത്രത്തോളം വ്യാപനം നടത്തുന്നുവോ അത്രത്തോളം ജീവിതത്തിനു ഔന്നത്യം ഉണ്ടാകും. അപ്പോള്‍ അസൂയ നിഷ്ക്രിയമാകും, ദൈവപുത്രന്മാരുടെ തേജസ്സ് പ്രാപിക്കുന്ന സ്വര്‍ഗ്ഗീയാനുഭവത്തിലേക്ക് പ്രവേശിച്ചു തുടങ്ങും.

യോസേഫിന്‍റെ ജീവചരിത്രം സംബന്ധിച്ച് തനിക്കു നേരിട്ട തിക്താനുഭവങ്ങള്‍ തന്‍റെയും കുടുംബത്തിന്‍റെയും നന്മയ്ക്കായി ഭാവിച്ചു.അതായതു, തന്‍റെ മന്ത്രി പദത്തിലേക്കുള്ള ഉയര്‍ച്ച, തന്‍റെ കുടുംബത്തിന്‍റെയും ജനതയുടെയും സംരക്ഷണം, മിസ്രയീമില്‍ സംഭവിച്ച ക്ഷാമകാലത്ത് താന്‍ സ്വീകരിച്ച പരിപാലനനയം എന്നിവ ഈ കഥാചരിത്രത്തില്‍ വ്യക്തമാണ്. ഇവിടെയാണ്‌ പഴയനിയമ ഭക്തനായ യോസേഫ് എന്നാ വ്യക്തിപ്രഭാവം സമകാലിക പ്രസക്തമാകുന്നത്.യേശുക്രിസ്തുവിനു നിഴലായി കാഴ്ചയ്ക്കു ഭവിക്കുന്നത്.

hglgbqóX mgjYfncekgbez

mXùYcbgX Dal mcãX mîfùM bfkej~ägX anekèfvx ùhoevX sòãxlx 2006 këÿg aheãf. Sÿew ssobèfw EùMãfòª Zjg ssobsshlnfvx 2006 hglgTèfszJãgX ZjgTèfszJãgX òfn cCfTtJgkägX, EBxòkägX, cem~ägceãfjgÿg. mcãX këÿg ahekgÿg, DslejfTngX lfjfsk bjesl. 2006w veX sòãxllfvgX, òféfòªlfvgX, aveTfãlfvgX, YebfòªlfvgX, avebfòªlfvgX SÄeX ssobèfvx kCTx skeëgaTçf bjgscÿgú ayeOõaèeëgktëf, 2007w prbflsè bäsj ùkcsh¥ëgègbez Zÿg cvm¢g sbòªew, Dlg prbflsè lsÿ ce»f cJfòªx bfhâbkjceã Zjg ùkfmxlrã prbflX ssobèfvgX muprbfkWTgX vwkgbez vcgTg lrqòªãeãgX kBfãgÿleCx. Dlfvx vcgTg abçlx Zjg vÄ cvm¢eCx. lesBh¥Jãgÿ lrjgcev~W Dlfvx DlõebMõceãf bjgX. ùiÇkejvgX kbfãgX, lfaãeäpfãvgceã Fîevgbw kezÜx, ZjgbszJ cvm¢fsvkgJfòªx ZjfTw F~sv SBglf "Zjg vÄ cv sm¢eBfsk Zjg bfaMóCbgX aòqTesl vÄleãf hjfiCfTebgÿ c»g ãeslejg bmxlgbgX Ytlnèfane, Dlfvh¥gJaèe Gúleãf òféfTgbez ahengX meOõcÄ.

-Zjg mXMgíuôoãX

ssobsshlnfvx Zjg mXMgíuôoãcgçeãfjfTCX. uôoãMgífãgúbq Yeiõbe|eq Dbq ssobsè keCgX. (cèe. 5:8) hlgbqóèfw Dèjèfngú Yeiõbe|ejgsë SºX bqífTsö. mégóxëuôoãX vsÄejdóOcekgÿg. (A cheerful heart is good medicine) (moô: be: 17:22) veX cvsm¢eÿg sbòªew, ùkfmxlrã prbflèfvx abç mXMgílãgX, mêÿlãgX, mêgóxëlãgX ssobX vwkgX.

Zjg bfMVem uôoãX

hglfã bqóèfw Zjg ssobsshlnfvx Zjg bfMVemuôoãX GçeãfjfTsö. MleOfhszJ bfMVemsèkgJfòxª kqèebx hJãgÿlx "ãfùmeaãnfw ktëf Fùl bnfã bfMVemX kçföfÄ SÿeCx. (cèeãf 8:5\_13). cvm¢gX, cvm¢eìfãgX, cvm¢nfbgX FsÄRfw vîgsë bfMVemèfszJ alelgX kgJãgX. vÄ cvm¢eìf lúfkäåew ‘bfMVemkh¥w’ lkqÿg ahekgX. ZÿgX mXMãfTesl bfMVemaèesë ãeòfaTCX. mXMãfTgÿbz ke»ëfòªgnãgÿ këwlfjTg mcvekgX. F~svãgú cvgóõz kqèebfRw vfÿgX bÄlgX nYfTgX Sÿx vfjthfTjglx. (ãeaTe\_ 1:6,7) 2007w vcgTx cJfããgsë bfMVemX clf. kÄJTw Zeëf Sèf aãMgbfsv DJfå Dbägsë Orjceã bfMVemX. DÄesl keCesl bfMVmfTãfÄ Sÿg hJå "alecmfszJ bfMVemX" vcgTg abç.. kqèebx hJålx "keCesl bfMVmfTgÿbq Yeiõbe|eq" SÿeCx.

Zjg am¡uuôoãX

Zjg am¡uuôoãX vcgTebMõceCx. am¡uXskeçejXYfTgkãgX am¡uXskeçbme vfTgkãgX sòãªgÿ jçx Díõeã~ägú Zjg hgmxlkceCx ùkfmxlrã prbflX. 1 skejf: 13\_eX DíõeãX "am¡uèfszJ Díõeã"ceCx. vsî am¡ufh¥ez ssobX Zecvhgùlsv anekèfanTãòªg (aãeu: 3:16). DleCx ssobam¡uX DLbe Diesh¥. ùhkôlfTgX, mmõpen~WTgX, côi~WTgscÄeX DlelfszJ DäbfngX alelfngX ùhmxlgl am¡uX hRfëgÿgçx. GJgêfsv aveTf ygíf hæfh¥fz Sÿx bòvèfw keCgÿg. Sÿew khëam¡usèTgJfòªgX vcgTg keCebgÿleCx. Déõkenèx Davkjgsë am¡uX lCgèg ahekgscÿeCx bòvèfw veX beãfTgÿlx. ùkfmxlgbgX vf~sä am¡ufòªg vcgTgabçf lsÿèez ssobèfvx mdjYõ bemvãeã bBfheëgX ãeibgceãf Dqh¥fòªlgahesn am¡uèfw vëh¥fz (SsH. 5:1,2.)

Dlgskeçx hglgbqóX ùkfmxlgbfszJ am¡uèfszJ hjõeãceãf prbfTgbez vcgTx ùhlfpxÂ SëgTeX.

Zjg mceOevuôoãX

hgvjgíevX sòãxl ùkfmxlg lszJ Mfóõ|eqTx vwkgÿ EoõmîevX mce OevceCx. anekbgX mceOevX ljgX, haì Dlx MeMVlcÄ. vfnvfwTgÿ mceOevX ljgbez ssobèfvx ceùlsc kBfkãgúg. vofahew mceOevX DbszJ hTngçx. "mceOevX GçeTgÿbq Yeiõbe|eq, Dbq ssobèfszJ hgùl|eq Sÿg bfäfTsh¥ëgX" (cèeãf 5:9) MeéfTgX mceOevèfvgX cCfTtJgkW vrägÿ cuemaîäv~ägsçRfngX DbãxsTeÿgX MeMVlceã hjfuejceqiX vfqaÑMfTevekesl kgBãgaêeW, kqèebfw EùMãfTãgX, mcqh¥fTãgX sòãªgÿbqTx vflõceã mceOevX ùhehfòªx maéeófh¥ez kBfãgÿg. anekX DmceOevsè môóxëfTgaêeW ssobX mceOevcekgÿg. Dlgskeçx 2007w vcgTx ssobmceOevèew vfJãeX.

Zjg ùheqÓv – EjeOve uôoãX

ssobejeOvãgX ùheqÓvãgX FsnâRfw EÎrãprbflX Mgóxkfòªg ahekgX. HnX keãxTgÿ prbflèfvx, EjeOvãgX ùheqÓvãgX ZBfòªgktëevebeè jçg ùhOevsh¥ö kejõ~äeCx. "mRrqèv~äengX m£glfkäengX EÎrkirl~äengX lîfw mXmejfòªgX vf~ägsë uôoãèfw kqèebfvx heëfãgX krqèvX sòãxlgX vîgsë kqèebeã aãMgùkfmxlgbfszJ vecèfw ssobbgX hflebgceãbvx SÄeãxaheBgX S Äe»fvgX abçfãgX amxleùlX sòãxlg skeWbfz. ùkfmxlgbfszJ Yãèfw DavõevõX krBxsh¥öfjfh¥fz" (SaH. 5:19, 21) ãauebY©|ejeã sòJfãbjgsëãgX bnfãbjgsëãgX ùheqÓv ssobmÿfOfãfw bfnãgúlg laÿ. ùheqÓvãxTg mctnceã Zjg ce»X bjgègbez kBfãgÿg. vfóxkäRceãf ssobsè EjeOfTgkãgX, Zjg ìce uôoãaèesë ùheqÓfãxTgkãgX sòãªgkãeCx 2007w Zjg Y©vx Eb MõceãfjfTgÿlx. am£eùlbgX, m£glfãgX cgë~jglx.

Zjg ùhlõeM uôoãX.

ùkfmxlgbfw ùhlõeM sbòªfjfTgÿ Zjg ssobsshlw maéeófTgÿlx jçg kejõ~sä ZeqègskeçeCx. Zÿecleãf kqèebfszJ hgvjeicvX. cs»eÿx, Dbaveëgktsëãgú vflõbemX. vcgTg nYfTgbevgú Yeiõkjceã ùhlõeMTeãfögX, cuessobbgX vîgsë jìflebgceã aãMgùkfm£gbfszJ alpmfszJ ùhlõìlãxTeãfögceCx veX keèfjfTgÿlx.

acwhJãsh¥ö EJg lrjgcev~WTgX vcgTx ‘Zjg vÄ cvm¢x’ DlõéeahìflceCx. hglgbqóX vÄ ZjgTcgú cvam¢eëgktëf Zjg ùhlõeMeprbflX vãfTgbez mqbªM©veã ssobX vîfw ùhmeofTsö.